*अध्ययन सामग्री

विषय- हिन्दी

स्नातक प्रतिष्ठा(खण्ड-3)

प्रश्न पत्र- षष्ठ

श्लेष अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण

पदनाम- डॉ स्मिता जैन

एसोसिएट प्रोफेसर

हिंदी विभाग

एच डी जैन कॉलेज, आरा*

Scanned with CamScanner

२) श्लेष

श्लिष्ट शब्दों द्वारा अनेक अर्थों का कथन श्लेष अलंकार कहलाता है।

जैसे — कनक - धतूरा, सोना

सूर २ - सूर्य - सूर - अंधा

Scanned with CamScanner

५ अभंग - श्लेष — उदाहरण —

"रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून,
पानी गए न ऊबरे मोती, मानुस, चून।"

यहाँ पानी अनेकार्थवाची शब्द है जिसके मोती, मनुष्य और चूना के सन्दर्भ में क्रमशः चमक, प्रतिष्ठा और जल तीन अर्थ निकलते हैं।

सभंग - श्लेष —

"अनन्ताकाश निर्मल शरद में है।"

शरद का वर्णन है। अनन्ता (पृथ्वी) + काश (तृण-विशेष के पुष्पों) से निर्मल है।
अनन्त (असीम) + आकाश (गगन) + निर्मल (स्वच्छ मेघमुक्त) है।

Scanned with CamScanner